सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 20

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. यदि फ्रांस को छींक आती है तो शेष यूरोप को ठंड लग जाती है। यह किसने कहा? 1

उत्तर : मेटरनिख ने।

2. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें–1

कथन (A) : बेल्जियम और श्रीलंका दोनों को विभिन्न समुदायों के बीच नैतिक तनाव का सामना करना पड़ा।

कारण (R) : दोनों देशों ने सत्ता की साझेदारी व्यवस्था द्वारा संघर्ष को समाप्त किया जिसने सभी समुदायों को समान प्रतिनिधित्व दिया।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत हैं।

उत्तर : (c) A सही है, लेकिन R गलत है।

3. अनौपचारिक क्षेत्रक की साख की गतिविधियों को हतोत्साहित करना चाहिए। कथन की पुष्टि में एक तर्क दीजिए। 1

उत्तर :

अनौपचारिक क्षेत्रक के ऋणदाता अपने ऋणों पर बहुत अधिक ब्याज वसूल करते हैं।

4. स्वदेशी आंदोलन का एक प्रभाव लिखिए। 1

उत्तर :

स्वदेशी आंदोलन ने लोगों को विदेशी कपड़े के बहिष्कार के लिए प्रेरित किया।

अथवा

भारतीय व्यापारियों के निर्यात व्यापार का नेटवर्क किस एक मुख्य कारण से टूटने लगा था?

उत्तर :

यूरोपीय कंपनियों के भारत आने से।

5. स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। यह किसने कहा था? 1

(a) महात्मा गाँधी ने (b) लाला लाजपतराय ने

(c) लोकमान्य तिलक ने (d) विपिन चन्द्र पाल ने

उत्तर : (c) लोकमान्य तिलक ने

6. निम्न में से कौन–सा कथन सत्य नहीं है? 1

(a) पुरानी जलोढ़ मिट्टी को बांगर कहा जाता है।

(b) नई जलोढ़ मिट्टी को खादर कहा जाता है।

(c) जलोढ़ मिट्टी पर्वतों की तलहटी पर बने मैदानों जैसे द्वार चो क्षेत्र और तराई में आमतौर पर पाई जाती है।

(d) जलोढ़ मृदा कपास के लिए उपयुक्त होती है।

उत्तर : (d) जलोढ़ मृदा कपास के लिए उपयुक्त होती है।

7. नीचे दिया गया कार्टून निम्न में से किस विकल्प को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

(a) चुनाव आयोग द्वारा लोकतंत्र का हनन

(b) चुनाव खर्च का ब्यौरा लेता चुनाव आयोग

(c) राजीतिक पार्टियों में चुनावी अनुशासन का अभाव

(d) राजनीतिक पार्टियों में आपसी मन-मुटाव

उत्तर : (c) राजीतिक पार्टियों में चुनावी अनुशासन का अभाव

8. एक राजनीतिक दल में जाति के ..... का अर्थ है कि उस जाति के मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा शायद किसी विशेष पार्टी को वोट दे सकता है। 1

उत्तर : वोट बैंक

9. निम्न में से कौनसा पहलू पश्चिमी तट के क्षेत्र में नवीं सदी के बाद की स्मृतिशिला पर बने जहाज के इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है- 1

(a) उस काल के लोगों का आर्थिक स्तर

(b) उस काल की परिवहन व्यवस्था

(c) उस काल में समुद्री व्यापार का महत्त्व

(d) उस काल में श्रमिकों की आवश्यकता

उत्तर : (c) उस काल में समुद्री व्यापार का महत्त्व

10. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें- 1
जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का केन्द्रीयकरण कहते हैं।

उत्तर :
जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का **विकेन्द्रीकरण** कहते हैं।

11. सूती वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक कच्चा माल क्या है? 1

उत्तर : कपास

अथवा

भेल (BHEL), गेल (GAIL), सेल (SAIL) जैसे उद्यम किस क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं?

उत्तर : सार्वजनिक क्षेत्र।

12. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में निम्नलिखित धर्मों को उनके मानने वाले लोगों की संख्या के अनुसार घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए- 1

1. हिन्दू
2. ईसाई
3. मुसलमान
4. सिख

(a) 1-2-4-3 (b) 1-2-3-4
(c) 1-4-3-2 (d) 1-3-2-4

उत्तर : (d) 1-3-2-4

13. कौन-सी फसल मानसून के आरंभ होने पर बोई जाती है और सितंबर-अक्टूबर में काट ली जाती है? 1

उत्तर : खरीफ की फसलें।

अथवा

कौन-सी कृषि प्रणाली है जिसमें बड़े क्षेत्र में केवल एक फसल पैदा की जाती है?

उत्तर : रोपण कृषि।

14. निम्नलिखित तालिका को भारत की पहली रेलगाड़ी से सम्बन्धित सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए- 1

भारत की पहली रेलगाड़ी	पहली बार कब चली	किन शहरों के मध्य चलाई गई	तय दूरी
	(A)-?	(B)-?	34 किमी.

उत्तर :
(A) - 1853
(B) - मुम्बई और थाने के मध्य

15. वैश्वीकरण से ..... वर्ग को नुकसान हुआ है। 1

उत्तर : छोटे उत्पादक

अथवा

..... अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार के उदारीकरण की निगरानी करता है।

उत्तर : डब्ल्यूटीओ (WTO)

16. पारदर्शिता का क्या तात्पर्य है? 1

उत्तर :
लोकतंत्र में इस बात की पक्की व्यवस्था होती है कि फ़ैसले कुछ कायदे-कानून के अनुसार होंगे और अगर कोई नागरिक यह जानना चाहे कि फ़ैसले लेने में नियमों का पालन हुआ है या नहीं तो वह इसका पता कर सकता है। उसे यह न सिर्फ़ जानने का अधिकार है बल्कि उसके पास इसके साधन भी उपलब्ध हैं। इसे ही पारदर्शिता कहते हैं।

अथवा

लोकतंत्र को तानाशाही से अच्छी सरकार क्यों कहा जाता है? कोई दो कारण बताओ।

उत्तर :

1. लोकतंत्र में सरकार उत्तरदायी होती है और उसके निरंकुश या अत्याचारी बनने की संभावना नहीं होती।
2. लोकतंत्र में नागरिकों के अधिकार तथा स्वतंत्रताएँ सुरक्षित रहती हैं।

17. केरल में शिशु मृत्यु दर कम है। इसके लिए निम्नलिखित में से कौन–सा कारण सही है? 1

(a) वहाँ आधारभूत स्वास्थ्य तथा शैक्षिक सुविधाओं का पर्याप्त प्रावधान है।

(b) वहाँ की प्रति व्यक्ति आय अधिकतम है।

(c) वहाँ प्राकृतिक संसाधन हैं।

(d) केरल की सरकार बहुत कुशल हैं।

उत्तर : (a) वहाँ आधारभूत स्वास्थ्य तथा शैक्षिक सुविधाओं का पर्याप्त प्रावधान है।

18. कान्ता एक कार्यालय में काम करती है। वह सुबह 9.30 से शाम 5.30 तक कार्यालय में रहती है। वह नियमित रूप से प्रत्येक माह के अन्त में अपना वेतन पाती है। वेतन के अतिरिक्त वह सरकारी नियमों के तहत् भविष्य निधि भी प्राप्त करती है। उसे चिकित्सा भत्ता और अन्ये भत्ते भी मिलते हैं। कान्ता रविवार को कार्यालय नहीं जाती है। इस दिन सवेतन अवकाश होता है। उसने जब नौकरी आरम्भ की थी, तब उसे एक नियुक्ति–पत्र दिया गया था जिसमें नौकरी संबंधी निबंधन और शर्तों का उल्लेख किया गया था। 1

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि कान्ता किस तरह के क्षेत्रक में कार्य करती है?

(a) संगठित क्षेत्रक (b) असंगठित क्षेत्रक

(c) आरामदायक क्षेत्रक (d) असुरक्षित क्षेत्रक

उत्तर : (a) संगठित क्षेत्रक

19. इनमें से कौन बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक हैं? 1

(a) ज्योतिबा फुले (b) राममनोहर लोहिया

(c) कांशीराम (d) आचार्य नरेंद्र देव

उत्तर : (c) कांशीराम

20. सूची–I का सूची–II से मिलान करें– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	बेल्लारी	क	कोयला खान
2.	बोकारो	ख	तापीय ऊर्जा संयंत्र
3.	सिंगरौली	ग	तेल क्षेत्र
4.	डिगबोई	घ	लौह अयस्क खान

उत्तर : 1–घ, 2–क, 3– ख, 4–ग

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. निम्न दो उल्लेखनीय व्यक्तियों का संक्षिप्त में परिचय दीजिए– 3

1. फ्रेडरिक सॉरयू।
2. ऐंड्रियास रेबमान।

उत्तर :

1. **फ्रेडरिक सॉरयू–** फ्रेडरिक सॉरयू एक फ्रांसीसी चित्रकार था। वह फ्रांसीसी राज्यक्रांति (1789) के वर्षों में अतिविशिष्ट एवं विश्व राज्य की इन्द्रिय बोध से परे कल्पना करने वाला पेन्टर था। फ्रेडरिक सॉरयू ने चार चित्रों की एक शृंखला बनाई। इन चित्रों ने विशेषकर फ्रांस के लोगों तथा सामान्य रूप से अन्य यूरोपवासियों के मन में राष्ट्र–राज्य बनाने की कल्पना जगाई थी।
2. **ऐंड्रियास रेबमान–** वह जेकोबिन क्लब (फ्रांस में कार्यशील) का सदस्य था। वस्तुतः उसे इतिहास में एक प्रसिद्ध जर्मन चित्रकार तथा पत्रकार के रूप में ख्याति प्राप्त हुई। ऐंड्रियास को राष्ट्रीय घटनाओं के अति उत्तेजक चित्र तैयार करने तथा उनको एक संक्षिप्त शब्द–पुंज में अलंकृत करने में विशेष कुशलता प्राप्त थी।

अथवा

जर्मन एकीकरण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर :

जर्मनी के मध्यवर्गीय लोगों ने 1848 में जर्मन महासंघ के अलग–अलग क्षेत्रों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र–राज्य बनाने का प्रयत्न किया था। मगर राष्ट्र निर्माण की यह उदारवादी पहल राजशाही और फौज की ताकत ने मिलकर दबा दी। उनका समर्थन प्रशा के बड़े भूस्वामियों ने भी किया। उसके बाद प्रशा ने राष्ट्रीय एकीकरण के आंदोलन का नेतृत्व भी संभाल लिया। उसका प्रमुख मंत्री, ऑटो वॉन बिस्मार्क इस प्रक्रिया का जनक था जिसने प्रशा की सेना एवं नौकरशाही की मदद ली। सात वर्ष के दौरान ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धों में प्रशा की जीत हुई और जर्मनी के एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई। जनवरी 1871 में वर्साय में हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया।

22. मृदा निर्माण के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन कारकों को स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1. **संस्तर शैल–** मिट्टी का निर्माण मुख्यतः संस्तर शैलों पर पड़ने वाले मौसमी प्रभावों तथा उनके अपरदन के कारण विघटित होने से होता है। मृदा को अकार्बनिक खनिज तत्त्व संस्तर शैलों से ही प्राप्त होता है।
2. **जलवायु–** जलवायु चट्टानों अथवा जनक शैल के अपक्षय की दर, प्रभाविकता एवं प्रकार को निर्धारित करती है।

3. **वनस्पति एवं जीवन के अन्य रूप–** मृदा का निर्माण वनस्पति तथा सूक्ष्मजीवों की वृद्धि से भी संबंधित है। वे नई मृदा को परिपक्व मृदा में परिवर्तित कर देते हैं। क्षयशील पादप पदार्थों द्वारा ह्यूमस निर्माण के कारण मृदा की उर्वरता बढ़ती है।

अथवा

संसाधन नियोजन में प्रयुक्त उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

संसाधन नियोजन एक मिश्रित प्रक्रिया है जिसमें निम्न उपाय सम्मिलित हैं–

1. देश में संसाधनों की पहचान करना जिसमें सर्वेक्षण, मानचित्र बनाना तथा संसाधनों का गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमान और मापन सम्मिलित है।
2. एक नियोजित ढाँचा तैयार करना जिसमें सही तकनीक तथा संसाधन विकास योजना को लागू करना सम्मिलित है।
3. संसाधन विकास योजना का राष्ट्रीय विकास योजना से मिलान करना।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

स्टैनली एक पत्रकार और खोजी थे। न्यूयॉर्क हैराल्ड ने उन्हें कई साल पहले अफ्रीका गए लिविंग्स्टन नामक मिशनरी की खोज करने के लिए भेजा था। उस जमाने के अन्य यूरोपीय और अमेरिकी अन्वेषकों की भाँति स्टैनली भी हथियारों से लैस होकर गए थे। उन्होंने वहाँ जाकर स्थानीय शिकारियों, योद्धाओं और मजदूरों को इकट्ठा किया, स्थानीय कबीलों से लड़ाइयाँ लड़ीं। अफ्रीकी भू–दृश्य की पड़ताल की और विभिन्न इलाकों के नक्शे बनाए। बाद में इन खोजों और अन्वेषणों से अफ्रीका को जीतने में मदद मिली। ऐसे भौगोलिक अन्वेषण केवल वैज्ञानिक जानकारियाँ इकट्ठी करने की सामान्य इच्छा से प्रेरित नहीं होते थे। उनका साम्राज्यवादी योजनाओं से सीधा संबंध था।

स्रोत ख

"..... तमाम कोशिशों के बावजूद मैं उन कामों को ठीक से नहीं कर पाया जो मुझे सौंपे गए थे।" ..... कुछ ही दिनों के भीतर मेरे हाथ सब जगह से छिल गए और मैं हफ्ते भर तक काम पर नहीं जा पाया जिसके लिए मुझे सजा दी गई और 14 दिन जेल में काटने पड़े। ..... नए आप्रवासियों को काम बहुत भारी पड़ता था और वे दिनभर में अपना काम पूरा नहीं कर पाते थे। ..... अगर काम संतोषजनक नहीं हुआ तो तनख्वाह काट ली जाती है इसलिए बहुत सारे लोगों को उनका पूरा वेतन नहीं मिल पाता है और तरह–तरह की सजा दी जाती है। दरअसल मजदूरों को अपने अनुबंध की अवधि भारी मुश्किलों में बितानी पड़ती है .....।

स्रोत ग

एक साथ बहुत सारे देशों में व्यवसाय करने वाली कंपनियों को बहुराष्ट्रीय निगम (मल्टीनेशनल कॉर्पोरेशन–एमएनसी) या बहुराष्ट्रीय कंपनी कहा जाता है। शुरुआती बहुराष्ट्रीय कंपनियों की स्थापना 1920 के दशक में की गई थी। पचास व साठ के दशक में जब अमेरिकी व्यवसाय दुनियाभर में फैलते जा रहे थे और पश्चिमी यूरोप एवं जापान भी विश्वयुद्ध के प्रभाव से बाहर निकलते हुए शक्तिशाली औद्योगिक राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर थे उस समय ऐसी बहुत सारी नयी कंपनियाँ सामने आईं। बहुराष्ट्रीय कम्पनीयों का विश्वव्यापी प्रसार पचास और साठ के दशक की एक विशेषता था। इसके पीछे आंशिक रूप से इस बात का भी हाथ था कि ज्यादातर सरकारें बाहर से आने वाली चीजों पर भारी **आयात शुल्क** वसूल करती थी जिसके कारण बड़ी कंपनियों को अपने संयंत्र उन्हीं देशों में लगाने पड़ते थे जहाँ वे अपने उत्पादन बेचना चाहती थी। उन्हें घरेलू उत्पादकों के रूप में काम करना पड़ता था।

स्रोत क

23.1 सर हेनरी मॉर्टन स्टैनली ने अफ्रीका जाकर क्या किया? 1

उत्तर :

उन्होंने वहाँ जाकर स्थानीय शिकारियों, योद्धाओं और मजदूरों को इकट्ठा किया, स्थानीय कबीलों से लड़ाइयाँ लड़ीं। अफ्रीकी भू–दृश्य की पड़ताल की और विभिन्न इलाकों के नक्शे बनाए।

स्रोत ख

23.2 यह किसका बयान है? 1

उत्तर :

यह बयान रामनारायण तिवारी का है जो एक अनुबंधित मजदूर था।

स्रोत ग

23.3 बड़ी कम्पनियों को अपने संयंत्र उन्हीं देशों में क्यों लगाने पड़ते थे जहाँ वे अपने उत्पाद बेचना चाहती थी? 1

उत्तर :

ज्यादातर सरकारें बाहर से आने वाली चीजों पर भारी आयात शुल्क वसूल करती थी जिसके कारण बड़ी कंपनियों को अपने संयंत्र उन्हीं देशों में लगाने पड़ते थे जहाँ वे अपने उत्पादन बेचना चाहती थी। उन्हें घरेलू उत्पादकों के रूप में काम करना पड़ता था।

24. संघात्मक व्यवस्था में **न्यायपालिका की भूमिका** का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर :

संघात्मक सरकार का यह एक अनिवार्य तत्त्व है। केन्द्र व प्रान्तों में शक्तियों का विभाजन प्रायः इस आधार पर होता है कि जो विषय सारे देश से संबंधित होते है वे केन्द्रीय सरकार को सौंप दिए जाते हैं तथा जो स्थानीय महत्त्व के होते हैं वे प्रान्तीय

सरकारों को सौंप दिए जाते हैं परंतु कई बार केन्द्र व राज्यों में मतभेद उत्पन्न हो जाता है। संघात्मक शासन में राज्यों के आपसी तनाव के कारण गृह युद्ध छिड़ जाने की संभावना रहती है। इस संभावना को एक स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका दूर करती है। संविधान की व्याख्या करने तथा उसकी रक्षा करने की शक्ति भी न्यायपालिका में निहित है। न्यायपालिका केन्द्र तथा प्रान्तों के उन कानूनों को अवैध घोषित कर सकती है जो संविधान के विरूद्ध होते हैं।

अथवा

1992 के संविधान संशोधन द्वारा हमारे देश में सरकार के तीसरे स्तर (अंग) को अधिक प्रभावशाली और ताकतवर कैसे बनाया गया है?

उत्तर :

1. स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव नियमित रूप से कराना संवैधानिक बाध्यता है।
2. अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़ी जातियों के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने हेतु निर्वाचित निकायों एवं पदाधिकारियों के पदों में सीटें आरक्षित हैं। एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।
3. हर एक राज्य में पंचायत और नगरपालिका के चुनाव कराने के लिए राज्य चुनाव आयोग नामक संस्था का गठन किया गया है।
4. राज्य सरकारों को अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा इन स्थानीय निकायों के साथ बाँटना होता है। साझेदारी की प्रकृति हर राज्य में अलग-अलग है।

25. गाँधी जी ने राष्ट्रीय आंदोलन को कैसे जन आंदोलन में परिवर्तित किया? 3

उत्तर :

गाँधी जी के व्यक्तित्व एवं जीवन शैली का लोगों के मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ा जिससे एक राष्ट्रीय आंदोलन को जन आंदोलन में बदलने में सहायता मिली-

1. उनकी सादी और महात्माओं जैसी जिन्दगी तथा जनसमूह को अपनी बात समझा पाने के कौशल ने उन्हें बहुत लोकप्रिय बना दिया।
2. उनका अविवादित नेतृत्व एवं आकर्षक व्यक्तित्व।
3. उनकी अहिंसक सत्याग्रह की नीति।
4. असहयोग एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन।
5. उनके द्वारा शुरू किए गए विभिन्न सामाजिक सुधार जैसे छुआछूत के खिलाफ संघर्ष।
6. हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता।

26. विदेशी व्यापार विभिन्न देशों को आपस में जोड़ने में किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है? व्याख्या करें। 3

उत्तर :

1. यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो विदेशी व्यापार घरेलू बाजारों अर्थात् अपने देश के बाजारों से बाहर के बाजारों में पहुँचने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। उत्पादक केवल अपने देश के बाजारों में ही अपने उत्पाद नहीं बेच सकते हैं बल्कि विश्व के अन्य देशों के बाजारों में भी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।
2. इसी प्रकार दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं के आयात से खरीदारों के समक्ष उन वस्तुओं के घरेलू उत्पादन के अन्य विकल्पों का विस्तार होता है।
3. सामान्यतः व्यापार के खुलने से वस्तुओं का एक बाजार से दूसरे बाजार में आवागमन होता है। बाजार में वस्तुओं के विकल्प बढ़ जाते हैं। दो बाजारों में एक ही वस्तु का मूल्य एक समान होने लगता है।
4. अब दो देशों के उत्पादक एक दूसरे से हजारों मील दूर होकर भी एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

27. भारत में तृतीयक क्षेत्र का महत्त्व क्यों बढ़ता जा रहा है? 3

उत्तर :

भारत में तृतीयक क्षेत्र के महत्त्व के बढ़ने के कारण निम्नलिखित हैं-

1. भारत एक विकासशील देश है। अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, बैंकिंग, बीमा कंपनियों आदि की सेवाओं को उपलब्ध करवाना देश का दायित्व होता है।
2. उद्योग तथा कृषि के विकास से परिवहन, व्यापार, संग्रहण आदि कई प्रकार की सेवाओं का विकास होता है। भारत में दिन-प्रतिदिन प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्रक का विकास होता जा रहा है।
3. भारत में दिन-प्रतिदिन आय का स्तर बढ़ता जा रहा है और लोगों के विशेष वर्ग ने व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों, निजी स्कूलों, निजी अस्पतालों की सेवाओं की माँग करनी शुरू कर दी है।
4. पिछले कुछ दशकों में सूचना प्रसारण आदि सेवाएँ महत्त्वपूर्ण और आवश्यक बन गई हैं।

अथवा

शिक्षा के क्षेत्र में अधिक रोजगार सृजन क्यों किया जा सकता है? कोई तीन कारण लिखिए।

उत्तर :

1. विद्यालय जाने वाले आयु-वर्ग में लगभग 20 करोड़ बच्चे हैं। इनमें से लगभग दो-तिहाई ही विद्यालय जाते हैं।
2. उच्च अनुपात में बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं।
3. यहाँ विद्यालय और शिक्षकों की भी कमी है।

इस प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में ज्यादा रोजगार सृजन किया जा सकता है।

28. किसानों को जैव तकनीक का लाभ कैसे होता है? 3

उत्तर :

किसानों के लिए जैव तकनीक निम्न रूप में लाभदायक है–

1. विभिन्न फसलों का प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाया जा सकता है तथा फसलों में भी आनुवंशिक संशोधन किया जा सकता है।
2. इस तकनीक से फसलों में कीड़ों और बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है।
3. इससे कीटनाशक और जैवनाशक के उपयोग में कमी आती है।
4. संशोधित आनुवंशिक बीजों को कम पानी की आवश्यकता होती है।
5. जैव तकनीक के प्रयोग से उत्पादन लागत घटती है।
6. इससे धनी और निर्धन किसानों को लाभ पहुँचता है और पर्यावरण सुरक्षित और सतत पोषणीय बना रहता है।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. 1952 ई. के मुद्रण आयोग के प्रमुख उद्देश्यों एवं सुझावों का वर्णन कीजिए। 5

उत्तर :

उद्देश्य

स्वतंत्रता के उपरांत सन् 1952 में सरकार ने एक प्रेस आयोग की स्थापना की थी। इस आयोग में कुल 11 सदस्य थे। इस आयोग के चेयरमैन (अध्यक्ष) न्यायमूर्ति जी.एस.राजाध्यक्ष थे। इनका कार्यकाल दो वर्ष रहा। इन्होंने 1954 ई. में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसके निम्नलिखित उद्देश्य थे–

1. भारत में विचारों की अभिव्यक्ति नामक मौलिक अधिकार की रक्षा करते हुए प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अनिवार्य सुझाव देना।
2. पत्रकारों के आपत्तिजनक व्यवहार पर प्रतिबंध संबंधी सुझाव देना।
3. पत्रकारों एवं संपादकों में उत्तरदायित्व एवं जनता की सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना।
4. जन कल्याण एवं जनता की भलाई एवं जानकारी के लिए आवश्यक सूचनाओं को छापने के लिए प्रेस को जिम्मेदार बनाना।

सुझाव

1954 में प्रेस आयोग ने निम्नलिखित सुझाव दिए–

1. इस आयोग ने ऑल इंडिया प्रेस काउंसिल की स्थापना की सिफारिश की। इसके सुझावानुसार इस परिषद् में 25 सदस्य होते थे जिनमें कम–से–कम 13 पत्रकार वर्तमान अच्छे (मान्यताप्राप्त) समाचार–पत्रों में कार्य कर रहे हों। इस परिषद का चेयरमैन (अध्यक्ष) कम–से–कम उच्च न्यायालय का कोई सेवानिवृत या कार्यशील न्यायाधीश हो तथा उसकी नियुक्ति के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश उसे नामजद करें।
2. इस आयोग ने सुझाव दिया कि पत्रकारिता व्यवसाय में पत्रकारों की चयन विधि में सुधार लाया जाए।
3. प्रेस के कुछ ही हाथों में केन्द्रीयकरण की प्रवृति को रोका जाये तथा पत्रकारों एवं संपादकों को अच्छा, प्रगतिशील, निष्पक्ष, कर्त्तव्यनिष्ठा वाला प्रशिक्षण भी दिया जाये।
4. इसने सुझाव दिया कि अखबारों में क्रॉस–वर्ड पजल की प्रतियोगिता के छपने पर पाबंदी लगनी चाहिए। किसी भी अखबार में 40 प्रतिशत भाग से ज्यादा विज्ञापन नहीं छपना चाहिए।

आयोग के उपर्युक्त अधिकांश सुझावों को सरकार द्वारा मान लिया गया तथा इन्हें कानून में स्थान दे दिया गया।

अथवा

निम्नलिखित के कारण दें–

1. वुडब्लॉक प्रिंट या तख्ती की छपाई यूरोप में 1295 ई. के बाद आई।
2. मार्टिन लूथर मुद्रण के पक्ष में था और उसने इसकी खुलेआम प्रशंसा की।
3. रोमन कैथोलिक चर्च ने सोलहवीं सदी के मध्य से प्रतिबंधित किताबों की सूची रखनी शुरू कर दी।
4. महात्मा गाँधी ने कहा कि स्वराज की लड़ाई दरअसल अभिव्यक्ति, प्रेस और सामूहिकता के लिए लड़ाई है।

उत्तर :

1. वुडब्लॉक या काठ की तख्ती की छपाई वाली तकनीक चीन में विकसित हुई थी। जब 1295 ई. में मार्को पोलो नाम का महान खोजी यात्री चीन में काफी साल तक खोज करने के बाद अपने देश इटली लौटा तो वह वुडब्लॉक की छपाई का ज्ञान अपने साथ लेकर लौटा। अतः इतालवी भी वुडब्लॉक की छपाई का प्रयोग करके किताबें छापने लग गए और जल्द ही यह तकनीक बाकी यूरोप में भी फैल गई।
2. मार्टिन लूथर जर्मनी का एक प्रसिद्ध धर्म सुधारक था। वह मुद्रण कला का बहुत बड़ा समर्थक था। वह चाहता था कि वह अपने संदेश को छापकर अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचा सके ताकि लोग रोमन कैथोलिक चर्च की कुरीतियों को जान सकें। उसने रोमन कैथोलिक चर्च की कुरीतियों की आलोचना करते हुए अपनी पिच्चानवें स्थापनाएँ लिखीं। इसकी एक छपी प्रति विटेनबर्ग के गिरजाघर के दरवाजे पर टाँगी गई। इसमें लूथर ने चर्च को शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दी थी। जल्दी ही लूथर के लेख बड़ी गिनती में छापे और पढ़े जाने लगे। इसके परिणामस्वरूप चर्च में विभाजन हो गया और प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार की शुरुआत हुई। कुछ ही सप्ताह में न्यू टेस्टामेंट के लूथर के तर्जुमे या अनुवाद की 5000 प्रतियाँ बिक गईं और तीन महीने के भीतर ही दूसरा संस्करण निकालना पड़ा। प्रिंट के प्रति तहेदिल से कृतज्ञ लूथर ने कहा, **मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है, सबसे बड़ा तोहफा है।**

3. छपे हुए लोकप्रिय साहित्य के बल पर कम पढ़े-लिखे लोग धर्म की अलग-अलग व्याख्याओं से परिचित हुए। सोलहवीं शताब्दी में इटली के एक किसान मेनोकियो ने अपने क्षेत्र में उपलब्ध पुस्तकों को पढ़ना आरंभ कर दिया था। उन पुस्तकों के आधार पर उसने बाइबिल के नए अर्थ लगाने आरंभ कर दिए और उसने ईश्वर और सृष्टि के बारे में ऐसे विचार बनाए कि रोमन कैथोलिक चर्च उससे क्रुद्ध हो गया। ऐसे धर्म-विरोधी विचारों को दबाने के लिए रोमन कैथोलिक चर्च ने प्रकाशकों और पुस्तक-विक्रेताओं पर कई तरह की पाबंदियाँ लगाईं और 1558 ई. से प्रतिबंधित पुस्तकों की सूची रखने लगे।
4. गाँधी जी ने 1922 में असहयोग आंदोलन के माध्यम से देश की आजादी की लड़ाई लड़ते हुए ये शब्द कहे थे। उनका मानना था कि विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और सामूहिकता की आजादी ही वे माध्यम हैं जिनके रास्ते पर चलकर देश की आजादी के सपने को हासिल किया जा सकता है। उनका मानना था कि औपनिवेशिक भारत सरकार इन तीन ताकतवर औजारों को दबाने का प्रयत्न कर रही है। अतः स्वराज की लडाई, सबसे पहले तो इन संकटग्रस्त आजादियों की लड़ाई है।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें- $1 + 2 + 2 = 5$

नियमित और निष्पक्ष चुनाव कराने और खुली सार्वजनिक चर्चा के लिए उपयुक्त स्थितियाँ बनाने के मामले में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ ज्यादा सफल हुई हैं पर ऐसे चुनाव कराने में जिसमें सबको अवसर मिले अथवा हर फैसले पर सार्वजनिक बहस कराने के मामले में उनका रिकॉर्ड ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। नागरिकों के साथ सूचनाओं का साझा करने के मामले में भी उनका रिकॉर्ड खराब रहा है। पर इनकी तुलना जब हम गैर-लोकतांत्रिक शासनों से करते हैं तो इन क्षेत्रों का भी उनका प्रदर्शन बेहतर ही ठहरता है।

एक व्यापक धरातल पर लोकतांत्रिक सरकारों से यह उम्मीद करना उचित ही है कि वे लोगों की ज़रूरतों और माँगों का ध्यान रखने वाली हों और कुल मिलाकर भ्रष्टाचार से मुक्त शासन दें। इन दो मामलों में भी लोकतांत्रिक सरकारों का रिकॉर्ड प्रभावशाली नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ अक्सर लोगों को उनकी जरूरतों के लिए तरसाती हैं और आबादी के एक बड़े हिस्से की माँगों की उपेक्षा करती हैं। भ्रष्टाचार के आम किस्से इस बात की गवाही देते हैं कि लोकतांत्रिक व्यवस्था इस बुराई से मुक्त नहीं है। पर इसके साथ इस पर भी ध्यान दें कि गैर-लोकतांत्रिक सरकारें कम भ्रष्ट हैं या लोगों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं-यह कहने का कोई आधार नहीं है।

बहरहाल, एक मामले में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था निश्चित रूप से अन्य शासनों से बेहतर है : यह वैध शासन व्यवस्था है। यह सुस्त हो सकती है, कम कार्य-कुशल हो सकती है, इसमें भ्रष्टाचार हो सकता है, यह लोगों की ज़रूरतों की कुछ हद तक अनदेखी कर सकती है लेकिन लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था लोगों की अपनी शासन व्यवस्था है। इसी कारण पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है। यह समर्थन लोकतांत्रिक शासन वाले मुल्कों में तो है ही उन देशों में भी जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें नहीं हैं, लोग अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का शासन चाहते हैं। वे यह भी मानते हैं कि लोकतंत्र उनके देश के लिए उपयुक्त है। अपने लिए समर्थन पैदा करने की लोकतंत्र की क्षमता भी लोकतंत्र का एक परिणाम ही है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती।

30.1 लोकतांत्रिक सरकार की आम प्रक्रिया क्या है?

30.2 भारतीय लोकतंत्र के लिए भ्रष्टाचार कैसे एक गंभीर समस्या बन गया है?

30.3 **आज पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार का अत्यधिक समर्थन है।** कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर :

30.1

(a) इसमें नियमित और निष्पक्ष चुनाव होते हैं।
(b) प्रमुख नीतियों और कानूनों पर खुली सार्वजनिक चर्चा के लिये उपयुक्त स्थितियाँ होती है।
(c) सरकार तथा इसके कामकाज के बारे में जानकारी पाने का नागरिकों के लिए सूचना का अधिकार होता है।

30.2

(a) लोकतंत्र अक्सर लोगों की आवश्यकताओं को नजरअंदाज करता है तथा उनकी माँगों की उपेक्षा करता है।
(b) भ्रष्टाचार की देशी कथाएँ हमें यह विश्वास दिलाने के लिए काफी हैं कि लोकतंत्र इस बुराई से अछूता नहीं है।
(c) यह एक स्वीकार्य तथ्य है कि नेता वोट पाने के लिए धन का प्रयोग करते हैं तथा पूँजीवादी उनका समर्थन करते हैं।
(d) आजकल हम पाते हैं कि धनी लोग राजनीति में आते हैं, सिर्फ दल का समर्थन करते हैं और संसद की सीट पा लेते हैं।
(e) अब बहुत-से नेता घोटालों में सम्मिलित हैं जो अखबारों की सुर्खियाँ बनते हैं, ऐसे अधिकतर भ्रष्टाचार के आरोपों में सम्मिलित हैं।

30.3

आज पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार का अत्यधिक समर्थन है क्योंकि-

(a) लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था लोगों की अपनी शासन व्यवस्था है।
(b) दक्षिण एशिया के प्रमाणों से जाहिर है कि यह समर्थन लोकतांत्रिक शासन वाले मुल्कों में तो है ही, उन देशों में

भी जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें नहीं है, लोग अपने द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों का शासन चाहते हैं।

(c) वे यह भी मानते हैं कि लोकतंत्र उनके देश के लिए उपयुक्त है।

(d) अपने लिए समर्थन पैदा करने की लोकतंत्र की क्षमता भी लोकतंत्र का एक परिणाम ही है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

31. पिछले पंद्रह वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में भारत की बदलती प्रवृत्ति पर एक लेख लिखें। 5

उत्तर :

दो देशों के बीच व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं। किसी देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रगति उसके आर्थिक व्यापार का सूचक है, इसलिए इसे राष्ट्र का आर्थिक बैरोमीटर कहा जाता हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के औद्योगिक विकास के फलस्वरूप विदेश–व्यापार में प्रगति हुई। वस्तुओं के आदान–प्रदान की अपेक्षा सूचनाओं, ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का आदान–प्रदान बढ़ा है। भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर महाशक्ति के रूप में उभरा है तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अत्यधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है।

विश्व के सभी भौगोलिक प्रदेशों तथा सभी व्यापारिक खंडों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध हैं। पिछले कुछ वर्षों से निर्यात वृद्धि वाली वस्तुएँ ये हैं– कृषि संबंधित उत्पाद, खनिज व अयस्क, रत्न व जवाहरात, रसायन व संबंधित उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान तथा पेट्रोलियम उत्पाद आदि।

भारत में आयातित वस्तुओं में पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम उत्पाद, मोती व बहुमूल्य रत्न, अकार्बनिक रसायन, कोयला, कोक तथा कोयले का गोला मशीनरी आदि शामिल हैं। भारी वस्तुओं के आयात में 39.09 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हमें आयात की अपेक्षा निर्यात को बढ़ाने की कोशिश करनी होगी जिससे विश्व बाजार में भारत सम्माननीय स्थान पा सकें।

32. किसी भी तरह से ज्यादा आय चाहने के अतिरिक्त, लोग बराबरी का व्यवहार, स्वतंत्रता, सुरक्षा और दूसरो से आदर मिलने की इच्छा भी रखते हैं। वे भेदभाव से अप्रसन्न होते हैं। ये सभी महत्त्वपूर्ण लक्ष्य हैं। बल्कि, कुछ मामलों में ये अधिक आय और अधिक उपभोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि जीने के लिए केवल भौतिक वस्तुएँ ही पर्याप्त नहीं होती। 5

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. शहर के अमीर परिवार की एक लड़की के विकास का लक्ष्य/आकांक्षाएँ क्या हो सकती हैं?
2. आय के अतिरिक्त अन्य लक्ष्यों का जीवन में क्या मूल्य है?

उत्तर :

1. शहर के अमीर परिवार की लड़की का लक्ष्य और आकांक्षा अपने भाई के समान स्वतंत्रता प्राप्त करना होगा। वह अपने निर्णय स्वयं करना और अपनी शिक्षा विदेश में करना चाहेगी।
2. आय के अतिरिक्त लोगों के महत्त्वपूर्ण अन्य लक्ष्य निम्नलिखित होते हैं–
   (a) मित्रों आदि द्वारा समानता का व्यवहार
   (b) स्वतंत्रता
   (c) सुरक्षा की भावना
   (d) दूसरों से आदर मिलने की इच्छा
   (e) स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ।

   उपर्युक्त लक्ष्यों का जीवन में अत्यधिक मूल्य है। केवल अधिक आय होने से व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता, क्योंकि अगर उसका कोई मित्र नहीं है तो मनुष्य का जीवन एकाकी हो जाता है। वह किसी के साथ स्वतंत्रतापूर्वक अपने विचार नहीं बाँट सकता। मित्रों और संबंधियों द्वारा समानता का व्यवहार भी जरूरी है।

33. बहुसंख्यकवाद क्या है? श्रीलंका में इसको कैसे अपनाया गया? 5

उत्तर :

बहुसंख्यकवाद

यह एक प्रकार का मत है कि बहुसंख्यक समुदाय को, जिस प्रकार वे चाहें, देश में शासन करने हेतु सक्षम होना चाहिए। बहुसंख्यक सामान्यतः अल्पसंख्यकों की इच्छाओं और आवश्यकताओं का निरादर करते हैं।

श्रीलंका में सामुदायिक रचना या बनावट

श्रीलंका में सिंहली भाषी लोग कुल जनसंख्या के 74% हैं, जबकि तमिल भाषी लोग केवल 18% हैं।

बहुसंख्यक सिंहली धनी और शक्तिशाली हैं। इन्हें अपेक्षाकृत अधिक संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, जबकि अल्पसंख्यक तमिल सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में पिछड़े हुए हैं। अतः यहाँ बहुसंख्यक लोग अल्पसंख्यकों पर हावी हैं।

श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद को निम्न प्रकार अपनाया गया–

1. श्रीलंकाई सरकार ने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में सिंहली वर्चस्व स्थापित करने हेतु कई प्रकार के उपाय अपनाए हैं।
2. 1956 में श्रीलंका में एक अधिनियम पारित किया गया, जिसके तहत सिंहली को एकमात्र आधिकारिक भाषा स्वीकार किया गया। इस प्रकार तमिल भाषा की उपेक्षा की गई।
3. शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों तथा सरकारी नौकरियों में सिंहली आवेदकों को प्राथमिकता दी गई।
4. धर्म के क्षेत्र में संवैधानिक प्रावधानों के तहत सरकार को बौद्ध धर्म का संरक्षण एवं देखरेख करना था। यह तमिल हिन्दुओं के लिए एक अपमानजनक कदम था।

इस प्रकार श्रीलंकाई सरकार की प्राथमिकता वाली नीतियों के तहत तमिलों के समान राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों की अवहेलना की गई और इन क्षेत्रों में उनके साथ भेदभाव किया गया। इससे बहुसंख्यक सिंहली और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच संघर्ष शुरू हुआ और देश में गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

अथवा

किसी लोकतांत्रिक देश में विभिन्न स्तरों पर कार्यरत सरकारों में सत्ता की भागीदारी पर विचार–विमर्श कीजिए।

उत्तर :

1. एक सामान्य लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक सरकार–संघ सरकार के रूप में या केन्द्र सरकार के रूप में–सारे देश के लिए कार्य करती है। दूसरी सरकार–प्रांतीय अथवा राज्य स्तर पर कार्यरत रहती है। इसे हम राज्य सरकार कहते हैं। तीसरे स्तर पर स्थानीय सरकार कार्य करती है।
2. समूचे देश के लिए कार्य करने वाली लोकतंत्र सरकार को संघीय सरकार कहा जाता है। उदाहरण के लिए, भारत में इसे हम केन्द्रीय सरकार के नाम से संबोधित करते हैं। प्रांतीय अथवा क्षेत्रीय स्तरों पर इन सरकारों को विश्व के विभिन्न देशों में भिन्न–भिन्न नामों से पुकारा जाता है। भारत में इन सरकारों को हम राज्य सरकार कहते हैं।
3. यह व्यवस्था सभी देशों में नहीं अपनाई जाती। कुछ देश ऐसे भी हैं जिनमें प्रांतीय या राज्य सरकारें बिल्कुल नहीं हैं लेकिन ऐसे देशों के संविधान विभिन्न स्तरों पर काम करने वाली सरकारों के लिए उनके अधिकार और कर्त्तव्य तय कर देते हैं। बेल्ज़ियम में समुदाय सरकार है लेकिन श्रीलंका सरकार अभी तक अधिसंख्यकवाद को ही प्राथमिकता देती आ रही है।
4. संविधान के द्वारा किया गया शक्तियों का आबंटन संघीय विभाजन कहा जाता है। यही सिद्धांत स्थानीय स्वशासन की सरकारों पर स्वयं राज्य सरकारें लागू कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, शहरी क्षेत्र में नगरपालिकाएँ और ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतें बनाई जा सकती हैं। इस प्रकार की सभी सरकारें जिनमें विभिन्न स्तरों पर सत्ता या शक्तियों का विभाजन और भागीदारी की जाती है– सत्ता का क्रमिक या ऊपर से नीचे की ओर विभाजन कहा जाता है।

34. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को किस प्रकार उत्प्रेरित किया है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

प्राचीन काल में लोग सूचना तथा सामान को स्वयं पैदल चलकर अथवा पशुओं की कमर पर बैठकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते थे। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास ने इस कार्य में तीव्रता ला दी हैं तथा संपूर्ण विश्व में जाल फैला कर उसको मानो एक मुट्ठी में कर दिया हैं। उदाहरण के लिए,

1. आज एक देश में होने वाली घटना, शोधकार्य एवं खनन, जलवायु मौसम के संबंध में सूचना सरलता से रेडियो, टेलीविजन, फोन आदि के माध्यम से कुछ ही क्षणों में अन्यत्र किसी भी देश में पहुँचायी जा सकती हैं।
2. यदि किसी राष्ट्र में किसी वस्तु विशेष का उत्पादन हो रहा है तो उसका विज्ञापन संचार माध्यम से किया जा सकता है जिसका परिणाम यह होता है कि इस वस्तु के व्यापार में वृद्धि हो जाती है जिसमें उद्योग अधिक विकसित हो जाते हैं।
3. सूचना एवं संचार के माध्यम से किसी भी देश से वस्तुओं को इंटरनेट, मोबाइल फोन के माध्यम से मंगाया जा सकता है तथा उसका भुगतान भी किया जा सकता हैं।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 22 पुलिसवालों को हिंसक भीड़ द्वारा जला दिया गया था और इस कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापिस ले लिया था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) चेन्नई – मीनमबाक्कम अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा
(ii) तारापुर – आण्विक ऊर्जा संयंत्र
(iii) कानपुर – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र
(iv) सेलम – लोहा और इस्पात संयंत्र
(v) मुम्बई – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क
(vi) हल्दिया – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर :

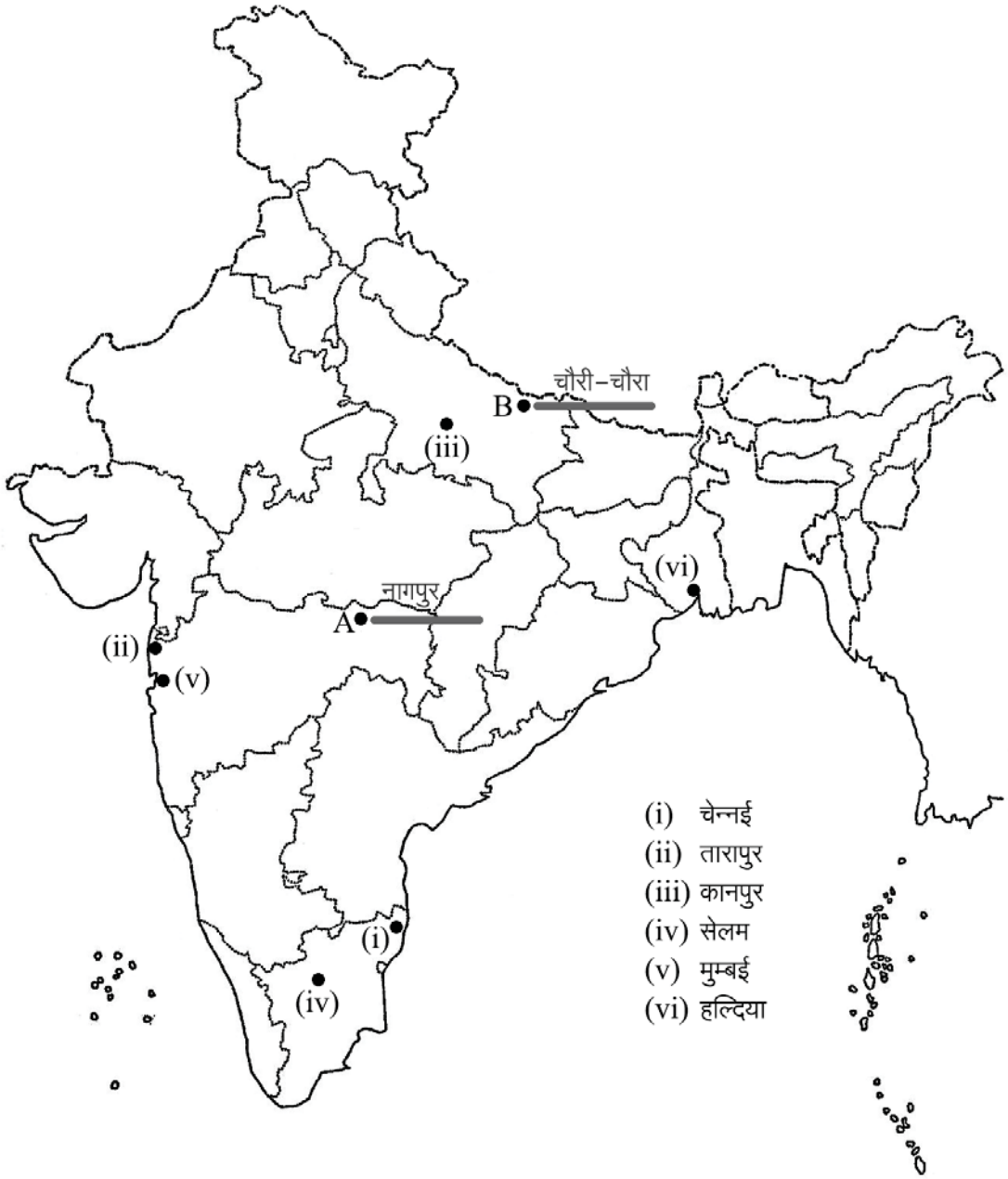

WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.